सूडानी प्रतिनिधि मण्डल (Sudanese Delegation) का

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान का भ्रमण - दिनांक 25/4/18 एवं 07/5/18

इंटरकोपरेशन सोशल डेवेलपमेंट इंडिया , हैदराबाद (Intercooperation Social Development India, Hyderabad) के डॉ. सी. के. राव एवं श्री विष्णु शर्मा के साथ सूडान के 22 सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल जो कि आई.एफ.ए.डी. (IFAD) वित्तपोषित बूटाना इंटीग्रेटेड रुरल डपलपमेंट प्रोग्राम (BIRDP) का प्रतिनिधित्व कर रहे थे , ने दिनांक 25.04.18 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का भ्रमण कर अनुसंधान गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। इस दल ने शुष्क क्षेत्र में किए जा रहे अनुसंधान कार्यों में रुचि दिखाई विशेषकर प्राकृतिक संसाधनों एवं सामुदायिक विकास संबंधी कार्यों में। कार्यक्रम के दौरान संस्थान के वैज्ञानिक भी उपस्थित रहे। संस्थान की निदेशक डॉ. रंजना आर्या ने भ्रमणकारी दल का स्वागत करते हुए संस्थान में हो रहे अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी। डॉ. आर्या ने पावर-पॉइंट प्रस्तुतीकरण द्वारा शुष्क क्षेत्रों के लिए कृषि वानिकी/सिल्वी-पास्चर मॉडल (Agro Forestry/ Silvipasture Models for Dry Areas), शुष्क भूमि का पुनर्वासन (Rehabilitation of salt affected Arid Lands) इत्यादि के बारे में बताया । वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. जी. सिंह ने सतही वनस्पति के उपयोग द्वारा टिब्बा स्थिरीकरण (Sand dune Stabilization using Surface Vegetation), वनीकरण, मृदा एवं जल संरक्षण हेतु सूक्ष्म निर्माण कार्य (Microstructures for Afforestation, Soil & Water Conservation), जैव विविधता मूल्यांकन (Biodiversity Assessment, जल प्लावित भूमि का जैव-जल निकास द्वारा पुनर्वासन (Biodrainage to reclaim water logged areas), राजस्थान के वनों में कार्बन पृथक्करण (Carbon Sequestration in Forests of Rajasthan), औषधीय पौधे , जैव-उर्वरक, सूक्ष्म प्रवर्धन (Micropropogation) इत्यादि विषयों से संबन्धित शोध कार्यों की जानकारी पावर-पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से दी। भ्रमणकारी दल की जिज्ञासा एवं प्रश्नों का समाधान परस्पर संवाद के माध्यम से डॉ. आर्या एवं डॉ. जी. सिंह द्वारा किया गया।

इसी क्रम में कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी , भा.व.से. ने परस्पर संवाद के माध्यम से भ्रमणकारी दल को संस्थान द्वारा की जा रही विस्तार गतिविधियों, वन विज्ञान केन्द्रों , डेमो विलेज , संस्थान की प्रायोगिक/हाइटेक नर्सरी में तैयार किए जाने वाले पौधों, साझा वन प्रबंधन, औषधीय पौधों इत्यादि के बारे में जानकारी दी तथा भ्रमणकारी दल की जिज्ञासा का समाधान किया।

भ्रमणकारी दल ने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भ्रमण कर विभिन्न पोस्टरों के माध्यम से वहाँ प्रदर्शित शोध संबंधी सूचनाओं एवं सामग्री का अवलोकन किया। श्री उमाराम चौधरी ने अवक्रमित पहाड़ियों का पुनर्वासन , राजस्थान के विभिन्न प्रकार के वन , लवण प्रभावित भूमि में चरागाह विकास एवं पुनर्वासन, कृषि वानिकी एवं सिल्वी-पेस्टोरल मॉडल, कृषि वानिकी, राजस्थान के विभिन्न प्रकार के वृक्ष इत्यादि से संबन्धित जानकारी भ्रमणकारी दल को करवाई।

भ्रमणकारी दल ने संस्थान परिसर में स्थित चन्दन , खेजड़ी, कुमट, सागवान, रोहिडा इत्यादि वृक्षों का अवलोकन किया। श्री उमाराम चौधरी ने इन प्रजातियों के बारे में उन्हें अवगत कराया। संस्थान द्वारा प्रकाशित प्रचार-प्रसार साहित्य भी भ्रमणकारी दल को उपलब्ध करवाया गया।

भ्रमण कार्यक्रम का समन्वयन श्री उमाराम चौधरी , भा.व.से., प्रभागाध्यक्ष, कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग द्वारा किया गया तथा कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के डॉ. बिलास सिंह , सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी , श्रीमती मीता सिंह , तकनीशियन एवं श्री तेजाराम का कार्यक्रम में सहयोग रहा।

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद

शुष्क वन अनुसंधान

RESTORATION OF WATERLOGGED AREA THROUG

WATERLOGGED AREA THROUGH BIODRAIN
WATER LEVEL ACROSS BUNDS
BUND PLANTING
DOMINANT FOREST
TYPES OF RAJASTHAN

WATER LEVEL ACROSS BUNDS
BUND PLANTING
DOMINANT FOREST
TYPES OF RAJASTHAN

WATERLOGGED AREA AT EXPERIMENTAL PLOT-1357 RD IGNP
WATER LEVEL ACROSS BUNDS
BUND PLANTING
DOMINANT FOREST

WATER LEVEL ACROSS BUNDS
BUND PLANTING
DOMINANT FOREST
TYPES OF RAJASTHAN

सूडानी प्रतिनिधि मंडल का शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में दिनांक 07/05/2018 को भ्रमण

इसी तरह के अन्य 22 सदस्यीय सूडानी प्रतिनिधि मण्डल जो सुडान में आई. एफ. ए. डी. वित्तपोषित बूटाना इण्ट्रेग्रेटेड रुरल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट (Butana Integrated Rural Development Project - BIRD) का प्रतिनिधित्व कर रहे थे , ने दिनांक 07/05/2018 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान,जोधपुर का भ्रमण कर संस्थान की शोध गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के प्रारम्भ में श्री उमाराम चौधरी भा.व.से. , प्रभागाध्यक्ष , विस्तार ने भ्रमणकारी दल को संस्थान एवं संस्थान के विभिन्न विभागों की जानकारी दी। डॉ॰ रंजना आर्या ने भ्रमणकारी दल को पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से संस्थान की अनुसंधान गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी जिनमें कृषि वानिकी/सिल्वी पेस्टोरल मॉडल , सतही वनस्पति के उपयोग से टिब्बा स्थरीकरण (sand dune stabilization using surface vegetation),वनीकरण,मृदा एवं जल संरक्षण हेतु सूक्ष्म निर्माण कार्य (Micro-structures for afforestation,soil and water conservation), जैव विविधता मूल्यांकन (Bio-Diversity Assessment) लवण प्रभावित शुष्क भूमि का पुनर्वासन , जलप्लावित क्षेत्रों का जैव जल निकास से पुनर्वासन ,जल प्रबंधन(Water Management), राजस्थान के वनों में कार्बन प्रच्छादन (Carbon Sequestration in Forest of Rajasthan), बीज परीक्षण विधियों के ट्रेट्स व विकास पर अध्ययन (Studies on traits and development of seed testing

protocols), औषधीय पादपों पर अध्ययन ,उत्पादकता वृद्धि के लिए एएमएफ/जैव उर्वरक की भूमिका (Role of AMF/Biofertilizers for Productivity Enhancement), गुग्गल (*Commiphera Wightti*) के बारे में ,ऊतक संवर्धन (Tissue Culture), रतनजोत (*Jatropha curcus*),शहरी सौंदर्यीकरण हेतु वनीकरण (Urban Aesthetic Afforestation), प्रोवेनेन्स ट्रायल इत्यादि विषयों से संबन्धित जानकारी शामिल थी। इस दौरान संस्थान की वैज्ञानिक "ई" डॉ॰ संगीता सिंह , उप वन संरक्षक श्री रमेश मालपानी , सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी , डॉ॰ नीलम वर्मा, वैज्ञानिक "सी", श्री एस.आर. बालोच भी उपस्थित रहे।

भ्रमणकारी दल की जिज्ञासाओं का समाधान परस्पर संवाद के माध्यम से किया गया। जिनमें डॉ. रंजना आर्या ने बीजोपचार, टिब्बा स्थरीकरण हेतु घास, कार्बन प्रच्छादन,शुष्क क्षेत्रों की घास (Grasses of Arid Regions)आदि के बारे में जानकारी दी। इसी क्रम में श्री उमाराम चौधरी , भा.व.से. ने वन सुरक्षा से संबंधी जानकारी तथा संस्थान द्वारा शोध गतिविधियों को किस तरह पणधारियों (Stakeholders) तक पहुंचाया जाता है , इस बारे में बताया जिसमें संस्थान की विस्तार गतिविधियों जैसे प्रशिक्षण , वन विज्ञान केंद्र ,विभिन्न मेलों में भागीदारी ,प्रसार साहित्य इत्यादि की जानकारी भी सम्मिलित थी। भ्रमणकारी दल को संस्थान की प्रचार प्रसार सामग्री भी उपलब्ध करवायी गयी।

भ्रमणकारी दल ने संस्थान के निर्वचन एवं विस्तार केंद्र का भ्रमण कर विभिन्न पोस्टरों के माध्यम से वहाँ प्रदर्शित शोध संबंधी विभिन्न सूचनाओं एवं सामग्री का अवलोकन किया। श्री उमाराम चौधरी , भा.व.से. , प्रभागाध्यक्ष , विस्तार ने अवक्रमित पहाड़ियों का पुनर्वासन ,टिब्बा स्थिरीकरण, जलप्लावित भूमि का पुनर्वासन ,राजस्थान के विभिन्न प्रकार के वन , मृदा परिच्छेदिका (soil profile), कृषि वानिकी/सिल्वी पेस्टोरल मॉडल ,लवण प्रभावित भूमि का पुनर्वासन, राजस्थान के विभिन्न वृक्ष इत्यादि विषयों से संबन्धित जानकारी भ्रमणकारी दल को करवायी।

भ्रमणकारी दल ने संस्थान में स्थित विभिन्न वृक्ष प्रजातियों (चन्दन , खेजड़ी, कुमट, सागवान, रोहिड़ा आदि) का भी अवलोकन किया श्री चौधरी ने इन वृक्षों की जानकारी भ्रमणकारी दल को करायी।

भ्रमणकारी दल ने संस्थान की उच्च तकनीक/प्रायोगिक पौधशाला का भ्रमण कर अवलोकन किया। यहाँ श्री चौधरी ने पौधशाला की विभिन्न प्रक्रियाओं एवं प्रजातियों की जानकारी दी जिसमें नर्सरी प्रभारी श्री सादुलराम देवड़ा ने सहयोग किया।

भ्रमण कार्यक्रम का समन्वयन श्री उमराम चौधरी , भा.व.से. एवं प्रभागाध्यक्ष, विस्तार ने किया जिसमें श्री महिपाल बिश्नोई एवं तेजाराम तथा सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ के श्री ज्योतिप्रकाश का सहयोग रहा।